अङ्क 2012-13

सकलडीहा स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सकलडीहा, चंदौली-232109 (उ.प्र.)

अनामिका

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलक

मंचासीन मुख्य अतिथि प्राचार्य, संयोजक एवं प्राध्यापक गण।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए प्राचार्य।

अनामिका

वर्ष 2012-13

संरक्षक

डॉ. विजय कुमार पाण्डेय

प्राचार्य

सम्पादक

डॉ. दयानिधि सिंह यादव

अध्यक्ष (हिन्दी-विभाग)

सह-सम्पादक

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह
डॉ. अरुण कुमार उपाध्याय
डॉ. उदयशंकर झा

सम्पादक-मण्डल

डॉ. इन्द्रदेव सिंह
डॉ. दुष्यन्त सिंह
डॉ. विजेन्द्र सिंह
डॉ. उमेश कुमार चतुर्वेदी
डॉ. अनिल कुमार तिवारी

प्रकाशक

प्राचार्य, सकलडीहा पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज

सकलडीहा, चन्दौली (उ.प्र.)

कुलगीत

प्रफुल्ल शतदल-सा स्निग्ध सुरभित,
विराट विद्या सदन हमारा।
अगाध गरिमा-गरिष्ठ वीणा,
निनादिनी का यह नेत्र तारा।।

साहित्य-संस्कृति-कला-त्रिवेणी,
में स्नान नख-शिख सुरम्य वसुधा।
अतुल्य मेधा के जाह्नवी की,
यहाँ तरंगित अबाध धारा।।

विभिन्न विजयों की व्योमचुम्बी,
स्तुता विद्या स्नातकोत्तरीया।
सुरम्य ग्रामीण अंचलावृत्त,
सुज्ञान पादप का पुष्प प्यारा।।

विकास जलभर से सांद्र पंकिल,
प्रसून-परिवल से मौली मण्डित।
उलः स्मरण योग्य दिव्य पंडित,
श्री कमलापति का तनय दुलारा।।

प्रफुल्ल शतदल-सा स्निग्ध सुरभित,
विराट विद्या सदन हमारा।
अगाध गरिमा-गरिष्ठ वीणा,
निनादिनी का यह नेत्र तारा।।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब सिन्धु गुजरात, मराठा,
द्राविड़ उत्कल बंग।
विन्ध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधितरंग।
तब शुभ नामे जागे,
तब शुभ आशीष माँगे।
गाहे तब जय गाथा,
जन-गण मंगलदायक जय हे।
भारत भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय, जय, जय, जय हे।

●

महाविद्यालय-वन्दना

अन्नत आलोक विश्वमूर्ते,
सफल हमारी ये साधना हो।
न हो दीनता न हो पलायन,
स्वदेश सेवा की भावना हो।
हमारे जीवन के पथ दुर्गम,
बने हमारे विकास साधन।
ये आत्मबल हो हमारा सम्बल,
हमारे जीवन की प्रेरणा हो।

●

डॉ. पृथ्वीश नाग
(कुलपति)

Dr. Prithvish Nag
(Vice Chancellor)

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
वाराणसी-221002
Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith
Varanasi-221002

संदेश

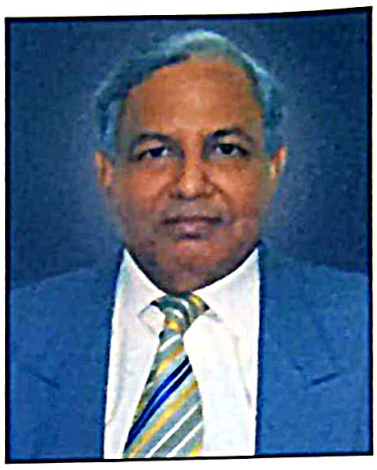

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि सकलडीहा पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, सकलडीहा, चन्दौली द्वारा वार्षिक पत्रिका 'अनामिका' का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्र-पत्रिकाएँ शैक्षिक संस्था और जन-सामान्य के मध्य सेतु का कार्य करती हैं और शैक्षिक संस्था की कीर्ति के जुड़ते नये आयामों और शैक्षणिक एवं रचनात्मक क्रियाकलापों से समाज को परिचित कराती हैं।

आशा है कि पत्रिका में छात्रोपयोगी नवीन ज्ञान-विज्ञान से परिपूर्ण सामग्री का संकलन कर प्रकाशन किया जायेगा, जो छात्र-छात्राओं को स्तरोन्नयन में सहायक होगी।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करते हुए इस कार्य में लगे सभी सुधीजनों को साधुवाद देता हूँ।

मंगलकामनाओं सहित,

11 फरवरी, 2013

डॉ. पृथ्वीश नाग

एस.एल. मौर्य
(कुलसचिव)

S.L. Maurya
(Registrar)

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
वाराणसी-221002
Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith
Varanasi-221002

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से सम्बद्ध सकलडीहा पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, सकलडीहा, चन्दौली अपनी वार्षिक पत्रिका 'अनामिका' २०१२-१३ का प्रकाशन करने जा रहा है।

मैं अपनी ओर से एवं सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार की ओर से प्रकाशित होने रही पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामना व्यक्त करता हूँ। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी उच्च शिक्षा लेकर महाविद्यालय विश्वविद्यालय के नाम को गौरवान्वित करते हुए देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।

साथ ही पत्रिका के प्रकाशन में सहयोग करने वाले सभी को साधुवाद देते हुए महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

21 फरवरी, 2013

एस.एल. मौर्य

SAKALDIHA POST GRADUATE COLLEGE
SAKALDIHA, CHANDAULI-232109 (U.P.) INDIA

शारदा यादव
प्रबंधक

संदेश

हर्ष की बात है कि महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अनामिका' नये कलेवर के साथ प्रकाशित होने जा रही है। इस निमित्त मैं महाविद्यालय के प्राचार्य, गुरुजन, छात्रों एवं सम्पादक मण्डल को साधुवाद देती हूँ।

शिक्षा के समर्पित कुछ कर्मयोगियों द्वारा इस महाविद्यालय की स्थापना सन् १९६५ में हुई जो आज पल्लवित और पुष्पित होते हुए विकास के विविध आयामों को छूती जा रही है।

प्रबन्धक के रूप में मैंने प्रजातांत्रिक प्रणाली के आधार पर अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। मेरा अनवरत प्रयास रहा है कि महाविद्यालय का चतुर्दिक विकास हो, इसके लिए मैं दृढ़-संकल्पित हूँ।

व्यक्तिगत स्वार्थ एवं वैचारिक विभिन्नता के कारण लोगों में मनोमालिन्य का होना स्वाभाविक है। आशा ही नहीं मुझे विश्वास है कि यदि आपस में ऐसा किसी स्तर पर हुआ हो तो भी आप उसे भूलकर सेवाभाव अपनाते हुए महाविद्यालय के विकास में अपना समग्र योगदान देंगे।

शिक्षा का उद्देश्य छात्र-छात्राओं की शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक एवं भावनात्मक विकास करना है। कहना न होगा कि छात्र-छात्राओं के सभी प्रकार के विकास उसके लेखन-शैली से परिलक्षित होते हैं। निश्चित ही 'अनामिका' इन उद्देश्यों की पूर्ति में प्रेरणा स्रोत होगी।

पुनश्च 'अनामिका' के प्रकाशन के शुभअवसर पर महाविद्यालय के विकास से जुड़े सभी लोगों के प्रति मैं हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ।

शारदा यादव

डॉ. विजय कुमार पाण्डेय
प्राचार्य

संदेश

कालेज की वार्षिक पत्रिका 'अनामिका' सत्र: २०१२-१३ प्रकाशित होने जा रही है। इस अवसर पर सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं, अध्यापकों, कर्मचारियों, अभिभावकों एवं प्रबन्ध-तंत्र अधिकारियों तथा सदस्यों के प्रति मैं अपनी हार्दिक शुभकामना व्यक्त करता हूँ।

किसी भी विद्यालय की पत्रिका उसके सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं साहित्यिक चेतना को प्रतिबिम्बित करती है, वर्ष-पर्यन्त शैक्षणिक गतिविधियों की द्योतक भी होती है।

अपने निर्माण से लेकर अब तक इस महाविद्यालय ने एक लम्बी यात्रा तय की है। इस दौरान हमने उतार-चढ़ावों के दौर से गुजरते हुए छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक विकास में अपनी अग्रणी भूमिका निभायी है। कहना न होगा कि महाविद्यालय के विद्वान् प्राध्यापकगण पूरी निष्ठा के साथ अध्यापन के स्तर को स्तरीय बनाते रहे हैं तथा कर्मचारी भी सदैव महाविद्यालय के विकास में अपना-अपना योगदान देते रहे हैं। ग्रामीण अंचल के लोगों, अभिभावकों का नजरिया भी महाविद्यालय के प्रति सदैव साकारात्मक रहा है। यह भी ध्यातव्य है कि नकलमुक्त परीक्षा एवं उत्तम परीक्षाफल तथा अनुशासन के लिए कॉलेज की चतुर्दिक ख्याति है।

प्राचार्य पदभार ग्रहण करने के साथ ही मैं महाविद्यालय की समस्याओं के निदान में तत्परता से लगा हूँ तथा कालेज के सर्वांगीण विकास के प्रति पूर्णनिष्ठा के साथ प्रतिबद्ध हूँ।

महाविद्याल के बच्चों में लेखन-शैली का विकास करना ही 'अनामिका' का लक्ष्य है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'अनामिका' अपने उद्देश्य में सफल होगी।

डॉ. विजय कुमार पाण्डेय

SAKALDIHA POST GRADUATE COLLEGE
SAKALDIHA, CHANDAULI-232109 (U.P.) INDIA

सम्पादकीय

बात बोलेगी

बड़े हर्ष और खुशी की बात है कि 'अनामिका' फिर से आपको (छात्र-छात्राओं) प्राप्त हो रही है। विगत तीन-चार सालों से, किन्हीं कारणों से 'अनामिका' का प्रकाशन बाधित रहा किन्तु पुन: 'अनामिका' के प्रकाशन के साथ ही हमें आप (छात्र-छात्राओं) से अपनी बात (विचार-विमर्श) करने का सुनहरा अवसर तो प्राप्त तो हुआ ही है, साथ ही साथ आपको भी अपनी बात (प्रतिभा उन्नयन करने) रखने का एक अच्छा प्लेटफार्म प्राप्त हो गया है। आशा करता हूँ कि यह सिलसिला निरन्तर जारी रहेगा।

हमारे लिए २१वीं शताब्दी संक्रमण-काल बनती जा रही है—जहाँ आम आदमी महँगाई, बेरोजगारी, असुरक्षा और अन्याय की चक्की में निरन्तर पिसता जा रहा है, वहीं भ्रष्टाचार, व्यभिचार, शोषण का बढ़ाव तथा न्यायप्रणाली का पंगु हो जाना बेहद खलता है।

पत्रकारिता (जिससे आम आदमी बहुत उम्मीद लगाये बैठा है) कारपोरेटरों तथा बिल्डरों के साथ साँठ-गाँठ कर दिशाहीन होती जा रही है। सोचने-समझने की बात है कि २१वीं शताब्दी में नासा के वैज्ञानिक जहाँ चाँद और मंगल पर आशियाना बनाने की संभावना तलाशने में लगे हैं, वहीं इलेक्ट्रानिक मीडिया वाले तमाम चैनलों पर भूत-प्रेतों के अनाप-शनाप सीरियल दिखाने में मशगूल हैं और देश की जनता को अन्धविश्वासों में ढकेलने का काम कर रहे हैं। निश्चित ही २१वीं शताब्दी भारत के लिए संक्रमणकाल बन गयी है। इस संक्रमण से निजात मीडिया (विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जिसकी पहुँच हाशिये के लोगों तक भी है) ही दिला सकती है बशर्ते उसका कोई अपना ईमानदार नियामक (स्वयं का अनुशासन) हो।

हमारे शैक्षणिक स्तर में भी गिरावट आती जा रही है, जो देश के भविष्य के लिए अच्छी बात नहीं है। १९३५ में लार्ड मैकाले द्वारा जारी की गयी शिक्षा-व्यवस्था में अब बदलाव की जरूरत है। किन्तु राष्ट्रीय सरकार की इस दिशा में उदासीनता विकास की गति को अवरूद्ध करने जैसा प्रतीत होता है।

राजनैतिक परिदृश्य भी पूरी तरह दिशाहीन ही लगता है। आजकल राजनीति में विरोध, मात्र विरोध करने के लिए होता है, किसी के पास कोई स्पष्ट एजेण्डा नहीं है—क्या पक्ष, क्या विपक्ष सभी तीन-तेरह में व्यस्त हैं, एक-दूसरे पर छींटाकसी के अलावा किसी के पास कोई स्पष्ट विजन (दृष्टिकोण) तो है ही नहीं।

छात्र राजनीति भी लगता है भटक-सी गयी है, या यूँ कहें कि राष्ट्रीय राजनीति ने पूरी तरह छात्र राजनीति को अपने झंपेटे में लेख रखा है। कहते हैं छात्र राजनीति ही राजनीति की प्रथम पाठशाला होती है—और जब यही भटकाव पर है—राष्ट्रीय राजनीति का क्या कहना!

छात्र-छात्राएँ ही देश के भविष्य हैं—देश का नवनिर्माण इन्हीं के कंधों पर अवलम्बित है। अत: इनके समुचित शैक्षणिक एवं राजनैतिक विकास की जिम्मेदारी प्राध्यापकों को समझनी ही होगी तभी राष्ट्र को योग्य नागरिक एवं सर्वगुण सम्पन्न नेताओं की प्राप्ति संभव है और अन्त में अन्नाहजारे तथा बाबा रामदेव के जज्बे को सलाम करते हुए भी यह कहना उचित जान पड़ता है कि दिल्ली में (जंतर-मंतर) या मुम्बई में तथाकथित पूँजीवादी मानसिकता के लोगों का आर्थिक सहयोग प्राप्त कर कुछ स्वार्थी व्यक्तियों एवं अभिनेताओं का झुण्ड जुटाकर सम्पूर्ण भारतीय क्रान्ति का सपना पूरा नहीं हो सकता। इसके लिए इन्हें (अन्ना हजारे, बाबा रामदेव) आम-आदमी से रूबरू होकर पूरे भारत में अलख जगानी पड़ेगी। कहें तो कह सकते हैं कि गाँधी, लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे महापुरुषों के आचरण-व्यवहार का अनुकरण किए बगैर सम्पूर्ण क्रान्ति संभव नहीं है।

पुनश्च तमाम बातों पर विराम लगाते हुए 'अनामिका' के सम्पादक-मण्डल के सदस्यों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका धन्यवाद करता हूँ जिनके सहयोग के बिना 'अनामिका' का यह कलेवर (स्वरूप) मेरे बूते की बात नहीं थी।

सत्र लाभ में चल रहे (छात्र-छात्राओं में बेहद लोकप्रिय), महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सन्त कुमार त्रिपाठी एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. श्यामनारायण राम यादव इस सत्रान्त में शैक्षणिक गतिविधियों से मुक्त हो जायेंगे। सेवा मुक्ति के बाद उनका शेष जीवन मंगलमय हो, इस निमित्त मैं उनके प्रति अपनी हार्दिक शुभकामना व्यक्त करता हूँ।

सम्पादक

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलक

फैंसी ड्रेस प्रस्तुत करते हुए छात्र-छात्राएँ।

लोकगीत प्रस्तुत करता छात्र।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएँ।

फैंसी ड्रेस की प्रस्तुति करते हुए छात्र-छात्राएँ।

विषयानुक्रमणिका

संदेश	वृजेश यादव (अध्यक्ष छात्रसंघ)	9
उदारीकरण के युग में नैतिक चरित्र एवं शिक्षा का राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव (भारत के विशेष सन्दर्भ में)	डॉ. विजेन्द्र सिंह	11
धन्य है भारतवर्ष	आनन्द कुमार यादव	13
बेटियाँ	पूनम यादव	14
किताबें	निशा राय	15
बड़ा ही महत्व है	निशा राय	15
बेटियाँ	निशा राय	16
अनमोल-वचन	अमिता गुप्ता	16
कलयुग के नेता	रिन्की यादव	17
गुरु ज्ञान देते हैं	रिन्की यादव	17
मन की आवाज	सुमन कुमारी	18
अच्छा ही हुआ (कहानी)	सुशीला कुमारी	18
महिला कानून- धूप या छाँव	दिव्या तिवारी	19
गज़ल	शकील अहमद	20
रंगीन चटकुले	रतन लाल	20
आदमी एक वोट	पवन कुमार मौर्य	21
मैं अजन्मी	नेहा मिश्रा	22
'ह' और 'म' में मुठभेड़	ऋतु चौधरी	23
प्रलय	रुचि पाण्डेय	23
धर्म विश्व का एक है	मंजिता मौर्या	24
गहराई में समाऊँ कैसे	कुमारी सुनीता चौहान	26
बेटी	कुमारी सुनीता चौहान	26
गजल	पंकज कुमार (बाबा)	27
प्रयास	पूजा गुप्ता	28

अनुक्रमिका

हँसते-हँसते जीना (चुटकुला)	पूजा गुप्ता	28
राष्ट्रीय एकता	राहुल राय	29
हास्य समाचार	सुशीला कुमारी	30
नारी और आत्मविश्वास	सुमन कुमारी	30
माता का प्यार	सन्तोष कुमार	31
देखा है	रुचि पाण्डेय	32
जिन्दगी का किस्सा	पिंकी गुप्ता	33
विज्ञान के दर्पण में आज का विद्यार्थी	पूजा कुमारी	33
यारों ये कॉलेज की दुनिया	पूनम यादव	34
भाग्य	प्रवीण चौहान	35
लक्ष्य (सफलता प्राप्त करना)	प्रवीण चौहान	36
ऐसा क्यों होता है	रुचि पाण्डेय	36
समय की कहानी	रीमा कुमारी	37
यदि मैं प्रधानमन्त्री होता?	राकेश कुमार	38
आकांक्षा	नयना चौधरी	39
ऐसा क्यों होता है?	रत्नेश कुमार गुप्ता (डब्लू)	39
गम का यह कोहरा भी छटेगा	आनन्द	41
चाय एक मीठा जहर	अभिषेक गुप्ता	42
आधुनिक छात्र का वैज्ञानिक स्वरूप	अभिषेक गुप्ता	42
जमाने की व्यस्तता	विकास कुमार	43
बेरोजगारी	शनि कुमार मौर्या	44
नई परिभाषा	शनि कुमार मौर्या	44
सदा अजेय थी जिसकी शमशीर (नारीरत्न रत्नावती)	माण्डवी उपाध्याय	45
जीवन में आत्मविश्वास का महत्व	देवेन्दर प्रताप राय 'देवा'	46
दहशत	कुमारी पूजा	47
पाप पुण्य	नन्दिनी चतुर्वेदी	47
शाही दावत	अमित कुमार पाठक	48

अनुक्रमिका

अनमोल ज्ञान	अमित कुमार पाठक	49
सच्ची अंतरंगता	मोनिका तिवारी	50
दुष्ट बाज	दिलीप कुमार प्रजापति	50
ताकि सुरक्षित रहें महिलाएँ	धर्मेन्द्र कुमार यादव	51
अंधेरी गली में	कुमारी पूजा	52
प्रेम का महत्व	पियूष कुमार वर्मा	53
जेहन में रखें इसे	हिमांशी वर्मा	53
मेरे स्पंदन	करन सोनी	54
शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ती हिन्दी	श्रवण यादव	54
नैतिक-शिक्षा और शारीरिक शिक्षा	सुमित्रा पाठक	55
गजल	चन्द्रपाल यादव	57
नारी का प्रश्न	संयोगिता पाठक	57
हर जगह टर ही टर	अवधेश कुमार वर्मा	58
प्रयत्न का फल	सुषमा कुमारी	59
कविता	रितिका किरण	59
कर्तव्य-बोध	संयोगिता पाठक	60
पुकार	सत्यदेव प्रजापति	60
छात्रों की चौपट होती मानसिक दशा	सोनू शर्मा	61
हार नहीं होती	अमित कुमार गुप्ता	62
कह रही जिन्दगी फिर से	मुकेश कुमार 'जानी'	63
गजल (दो शब्द प्रेम के नाम)	मुकेश कुमार 'जानी'	64
मर्द का दर्द	शिवम रस्तोगी	64
शरीर, मन और आत्मा	मुकेश कुमार 'जानी'	65
समाज में नारी का स्थान	अभिषेक गुप्ता	66
मानव सर्वश्रेष्ठ कहलावे	ज्योति कुमारी	66
जिन्दगी एक पहेली है	विकास	67
निर्गुण गीत	सन्तोष कुमार	68

अनुक्रमिका

लड़कियाँ	सन्तोष कुमार	69
उसे इन्सान कहते हैं	शिवम रस्तोगी	70
What is Life	Nandini chaturvedi	71
Jokes	Pavan Kumar Maurya	71
Friends Forever	Ashutosh Jaiswal	72
Love	Shani Kumar Maurya	73
Time is money	Shani Kumar Maurya	73
Is it good for students	Shani Kumar Maurya	73
A-Z : You Need in Life	Pavan Kumar Maurya	74
Education	Monika Tiwari	75
Modern Education as a Trade	Satydev Prajapati	75
The Position of Woman in India today	Ruchi kumari	76
You will Succeed Sure	Tanuja Pandey	77

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलक

स्वागत गान प्रस्तुत करती हुई छात्रा।

मतदाता जागरूकता अभियान जुलूस में छात्र-छात्राएँ।

मतदाता जगरूकता अभियान में सम्बोधित करते हुए प्राचार्य एवं अन्य।

संयोजक मण्डल के सदस्य एवं कर्मचारीगण।